

मूल्यांकन प्रक्रिया में आईसीटी की भूमिका

इन्दू पारीक*

प्रस्तावना

आधुनिक युग विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी का युग है। वैज्ञानिक आविष्कारों ने मानव जीवन के हर क्षेत्र के कार्य को प्रभावित किया। टेक्नोलॉजी ने प्रत्येक क्षेत्र में अपनी जगह बना ली है। इसके प्रभाव से शिक्षा भी अछूती नहीं रही है। आज शिक्षा के क्षेत्र ज्ञान की नवीन शखाओं का विकास हो रहा है। इस ज्ञान को आत्मसात करने ज्ञान का संचय, प्रसार, वृद्धि एवं सम्प्रेषण के लिए विकसित तकनीकों के ज्ञान एवं उपयोग की आवश्यकता है। इस कमी की पूर्ति केवल इनफोरमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी द्वारा ही संभव है।

मूल्यांकन के लिए आईसीटी का उपयोग

आईसीटी का उपयोग परीक्षणों को संचालित करने परीक्षणों को स्कोर करने, परिणामों का आंकलन करने में शिक्षकों की सुविधा के लिए परीक्षण में किया जा सकता है। इसके अलावा आईसीटी को छात्र के कार्य जैसे पोर्टफोलियो और प्रोजेक्ट आधारित मूल्यांकन को पूरा करने में एकीकृत किया जा सकता है।

मूल्यांकन का अर्थ—(Meaning of Evolution)

मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसके आधार पर हम किसी छात्र के ज्ञान का आंकलन करते हैं। मूल्यांकन के द्वारा ही छात्र की किसी विषय में कमियाँ उसकी किसी विषय के प्रति रुचि और उसकी प्रतियों का आंकलन किया जा सकता है।

मूल्यांकन मापन द्वारा प्राप्त अंकों का विस्तृत अध्ययन करता है और यह अध्ययन सामाजिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक आधार पर करता है। मूल्यांकन दो व्यक्तियों के मध्य उनके गुणों में व्याप्त भिन्नता के ज्ञात करने का भी कार्य करता है।

मूल्यांकन का अर्थ है— मूल्य का अंकन करना

मूल्यांकन दो शब्दों से मिलकर बना है। मूल्य + अंकन

मूल्यांकन की परिभाषा— “डण्च मुफात के अनुसार “मूल्यांकन एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है जो विद्यार्थियों की औपचारिक उपलब्धियों का पता लगाता है।”

सूचना सम्प्रेषण तकनीकी

I	C	T
Information	Communication	Technology
सूचना	सम्प्रेषण	तकनीकी

- **सूचना:**— सूचना इन्फॉर्मेशन का हिन्दी रूपांतरण है जिसका अर्थ बताना से है, सामान्य अर्थों में किसी विषय वस्तु की जानकारी होना ही सूचना कहलाता है।
- **सम्प्रेषण:**— सम्प्रेषण शिक्ष की रीड की हड्डी है बिना सम्प्रेषण के अधिगम और शिक्षण नहीं हो सकता।

* सहायक आचार्य, एस.एस.जी. पारीक स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय बनीपार्क, जयपुर, राजस्थान।

- **सम्प्रेषण – सम्+प्रेषण**

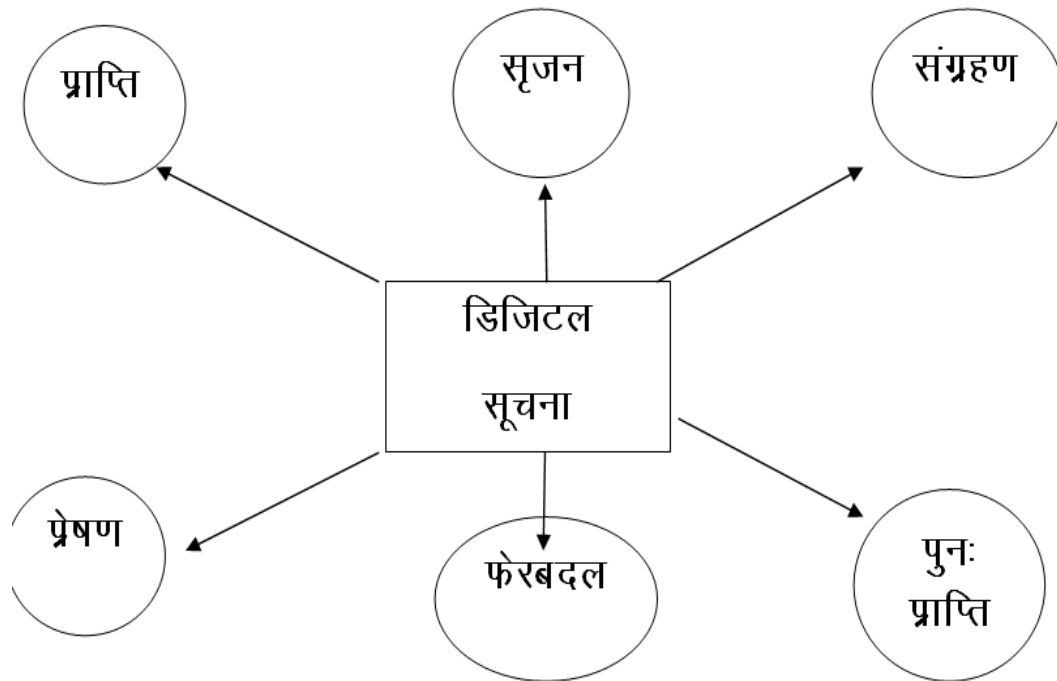
समान रूप से भेजा गया सामान्य अर्थों में दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच विचारों संदेशों एवं सूचनाओं का आदान-प्रदान ही सम्प्रेषण कहलाता है।

- **तकनीकी:-** तकनीकी का सामान्य अर्थ दैनिक जीवन में विज्ञान का प्रयोग करने की विधियों से है।

सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का अर्थ

स्वयं के भाव विचार संदेश एवं सूचनाओं को शीघ्रातिशीघ्र तकनीकी सहायता से दूसरे व्यक्ति तक सही तरह से प्रेषित करना सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी कहलाता है।

आज पाठ्य पुस्तकें आस पास का परिवेश, कक्षाओं की चार दिवारों बच्चों के अधिगम सम्प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके साथ हमें यह भी सुनिश्चित करना निर्भर होगा की बच्चा स्वयं सीखने वाला, आत्मनिर्भर, समीक्षात्मक और रचनात्मक होना चाहिए। इसमें ICT एक महत्वपूर्ण रोल अदा कर सकता है। आज हमारा देश DIGITAL INDIA की ओर बढ़ रहा है तो ये प्ब की ही देन है।



मूल्यांकन प्रक्रिया में आईसीटी की भूमिका

ICT का उपयोग छात्रों के आंकलन के लिए मूल्यांकन उपकरण के रूप में किया जा सकता है। आईसीटी उपकरणों का प्रयोग जिम्मेदारी के साथ तथा बिना किसी भेदभाव के सूचना को ढूँढने, अन्वेषित करने, विश्लेषित करने उसका आदान-प्रदान करने तथा प्रस्तुत करने के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

शिक्षक अपने मूल्यांकन कार्यों के निर्माण के लिए कम्प्यूटर का उपयोग कर सकते हैं, इन कार्यों को प्रासंगिक छात्रों तक पहुँचाने के लिए और इन छात्रों को प्रतिक्रिया और ग्रेड रिकॉर्ड करने और प्रदान करने के लिए कम्प्यूटर का उपयोग छात्रों की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने के लिए भी किया जा सकता है, छात्रों को उनकी प्रतिक्रिया की गुणवत्ता और प्रासंगिता पर प्रतिक्रिया प्रदान करने के साथ-साथ शिक्षक को प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए कि क्या कार्य विभिन्न क्षमता वाले छात्रों के बीच अंतर कर सकता है। आईसीटी आधारित मूल्यांकन का उपयोग छात्रों द्वारा विकसित की अलग-अलग क्षमताओं और कौशलों का परीक्षण करने के लिए किया जा सकता है केवल कुछ कार्य ऐसे जो इलेक्ट्रॉनिक रूप से पूरा करने और रिकॉर्ड करने के लिए उपयुक्त

नहीं हो सकते हैं, लेकिन जैसे-जैसे तकनीकी अधिक परिष्कृत और व्यापक होती जा रही है, वैसे वैसे ऐसे कार्यों की संख्या तेजी से कम होती जा रही है। कई भी विषयों में प्रयोगशाला उपकरणों को दुरस्थ रूप से हेर-फेर किया जा सकता है और छात्र वास्तविक समय में भौतिक प्रदर्शन कर सकते हैं जो रिकॉर्ड किए जा सकते हैं और मूल्यांकन उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जा सकते हैं हम तेजी से जिस चरण की ओर बढ़ रहे हैं जहां ई मूल्यांकन कार्य में डिजाइन करने में हमारी कल्पनाएं समिति कारक होगी।

मूल्यांकन छात्र सीखने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। सीखने के उत्पाद के साथ साथ सीखने की प्रक्रिया पर जोर देने के साथ मूल्यांकन के लिए कई नये दृष्टिकोण हैं। प्रदर्शन आधारित प्रमाणिक मूल्यांकन पर दुनिया भर में जोर दिया जाता है। भारत में भी छात्रों को सीखने के निरंतर और व्यापक मूल्यांकन पर जोर दिया जाता है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में विकास ने छात्रों को सीखने और प्रतिक्रिया प्रदान करने के आंकलन के लिए कई संभावनाएं खोली है।

आंकलन में आईसीटी की भूमिका

सीखने के प्रभावी और कुशल मूल्यांकन में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका है। आधुनिक तकनीकी शिक्षकों को कई तरह के नये उपकरण प्रदान करती है। जिनका उपयोग कक्षा में किया जा सकता है। प्रौद्योगिकी शिक्षकों को अपने छात्रों को सीखने के साथ साथ कक्षा में उनके प्रदर्शन का आंकलन करने में मदद कर सकती है। मूल्यांकन में आईसीटी के उपयोग में छात्रों के मूल्यांकन कार्यों, प्रतिक्रियाओं, ग्रेड या फिडबैक के निर्माण, वितरण, भंडारण या रिपोर्टिंग में सहायता के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग शामिल है

ई- आंकलन पर शिक्षक की पुस्तिका में जेफ्री क्रिस्प (2011) ने कहा है कि आईसीटी आधारित मूल्यांकन कई उपकरणों के साथ किया जा सकता है, जैसे की पारंपरिक डेस्कटॉप कम्प्यूटर या लेपटॉप और पोर्टेबल संचार जैसे स्मार्ट मोबाइल फोन, आईपैड जैसे डिजिटल उपकरणों के साथ या इलेक्ट्रॉनिक्स गैमिंग उपकरणों के उपयोग के माध्यम से। आईसीटी आधारित मूल्यांकन कई स्वरूपों का उपयोग कर सकता है, जिसमें टेक्ट दस्तावेज या पोर्टेबल दस्तावेज प्रारूप, ध्वनी, विडियो या छवियों जैसे मल्टीमिडिया प्रारूप शामिल है। इसमें डिजिटल सिमुलेशन या गेम शामिल हो सकते हैं। यह छात्रों द्वारा समूह में या व्यक्तिरूप से भी किया जा सकता है और यह एक समकालीक या अतूल्यांकन तरीके से बड़ी संख्या में छात्रों के साथ हो सकता है।

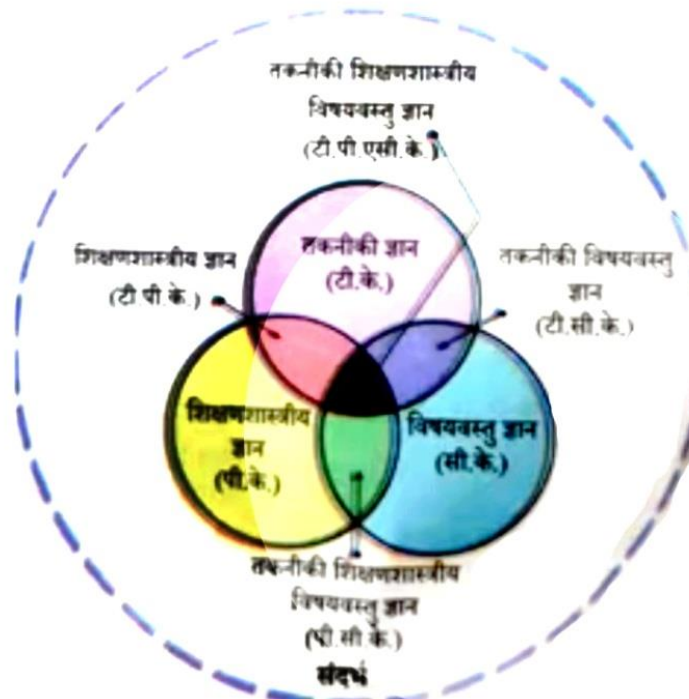
शिक्षण अधिगम सुधारने के लिए मोबाईल एप।

- एनाटॉमी 4डी (Anatomy 4D)
- ऑनलाइन लैब्स (Online Labs)
- क्वीवर (Quiver)
- स्काईव्यू फ्री (Skyview FRee)
- आर्ट्स एंड कल्चर (Arts and culture)
- स्टार ट्रेकर (Star Tracker)
- पीएच ईटी (Stop motion animation)
- स्ट्रैटव्यू मोशन एनिमेशन (Street View)
- कहूट (Kahoot)

शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन में आईसीटी के मानदंड

- विषय वस्तु का स्वरूप
- संदर्भ
- शिक्षण अधिगम के तरीके

तकनीकी / उपकरण / ई-सामग्री



निष्कर्ष

हम यह कह सकते हैं कि मूल्यांकन प्रक्रिया में आईसीटी का महत्वपूर्ण स्थान है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के विकास ने छात्रों के सीखने और प्रतिक्रिया प्रदान करने के आंकलन के लिए कई संभावनाएँ खोली हैं। शिक्षक अपने मूल्यांकन कार्यों के निर्माण के लिए कम्प्यूटर का उपयोग छात्रों की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने के लिए भी किया जा सकता है।

आईसीटी आधारित मूल्यांकन का उपयोग छात्रों द्वारा विकसित कई अलग-अलग क्षमताओं और कौशलों का परीक्षण करने के लिए किया जाता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Becker, J. H. & Ravitz, J. L. (2001). Computer use by teachers: Are Cuban's predictions correct? Paper presented at the 2001 annual meeting of the American Educational Research Association, Seattle, Washington.
2. Goodison, T. (2003). Integrating ICT in the classroom: a case study of two contrasting lessons. *British Journal of Educational Technology*, 34(5), 549-566.
3. Olsen, J. B., Bunderson, V. C., & Inouye, D. K. (1989). The four generations of computerized educational measurement. In R. L. Linn (Ed.), *Educational measurement* (Third ed., pp. 367-407). New York: Macmillan.
4. Wang, H. C., Chang, C. Y., & Li, T. Y. (2008). Assessing creative problem-solving with automated text grading. *Computers and Education*, 51(4), 1450-1466.

